



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 131]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, मार्च 16, 1989/फाल्गुन 25, 1910

No. 131]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 16, 1989/PHALGUNA 25, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1989

का.ग्रा. 185(प्र) -- राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्नलिखित प्रादेश  
संविधान की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है:—

प्रादेश

श्री राजेन्द्र कुमार जिल्ला, 3363, केसरवालान, पहाड़गांज, नई  
दिल्ली के निवासी द्वारा एक वाचिका काल्पन की गई है, जिसमें यह  
प्रधिकरण किया गया है कि वर्तमान लोक सभा (श्रावी) के एक सौ  
से अधिक पदासीन सदस्य संविधान के अनुच्छेद 102 के खंड (1) के  
उपखंड (क) अधीन निरहित हो गए हैं;

और अन. अर्ती के सदर्भ में इस प्रश्न पर कि क्या उक्त पदासीन  
मादस्य ऐसी निरहिता में ग्रस्त हो गए हैं या नहीं, संविधान के अनुच्छेद  
103 के खंड (2) के अधीन निर्वाचन आयोग से यथा मार्गी गई थी;

श्री निर्वाचन आयोग ने अपनी यह गण वी है कि (उपायमध्य देविए)  
उक्त पदासीन मादस्य ऐसी किसी निरहिता से ग्रस्त नहीं हुए हैं;

अन. अब मैं, रामस्वामी वेंकटरामन, भारत के राष्ट्रपति, संविधान  
के अनुच्छेद 103 के खंड (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए निर्वाचन आयोग की गण के अमुसार इसके द्वारा विनियम  
करना है कि लोक सभा के उक्त पदासीन सदस्य, संविधान के अनुच्छेद

102 के खंड (1) के उपखंड (क) के अधीन लोक सभा का सबस्य  
चुने जाने या होने के लिए, ऐसी किसी निरहिता से ग्रस्त नहीं हुए हैं।

7 मार्च, 1989

रामस्वामी वेंकटरामन,  
भारत के राष्ट्रपति

भारत निर्वाचन आयोग

भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष

निर्देश मामला सं. 1987 का 3

(संविधान के अनुच्छेद 103(2) के अधीन भारत के राष्ट्रपति से प्राप्त निर्देश)

संदर्भ:—लोक सभा के लगभग एक सौ पदासीन सदस्यों की अधि-  
कारित निरहिता

राय

1.1 यह भारत के राष्ट्रपति की ओर से संविधान के अनुच्छेद  
103(2) के अधीन निर्वाचन आयोग से, इस प्रश्न को बाबत किया  
वर्तमान (श्रावी) लोक सभा के कलिय पदासीन सदस्य संविधान के  
अनुच्छेद 102(1)(क) के अधीन निरहित हो गए हैं, मार्गी गई राय  
के सदर्भ में है।

1.2 उपरोक्त प्रश्न भारत के राष्ट्रपति के समक्ष तारीख 6-5-1989  
को श्री राजेन्द्र कुमार जिल्ला, 3363, केसरवालान, पहाड़गांज, नई दिल्ली के

निवासी द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 103(1) के अधीन फाइल की गई अर्जी में उठाया गया था। अर्जीदार ने अभिविधित किया है कि वर्तमान (आठवीं) लोक सभा के एक सी से प्रथिक पदार्थीन सदस्य, लोक सभा के सदस्य होने के लिए निरर्हित वे क्रमोंकि वे दिमान्त्र", 1984 में वर्तमान लोक सभा के निवाचित के समय (मात्री) लोक सभा के पदार्थीन सदस्य ये और इस प्रकार संविधान के अनुच्छेद 102(1) (क) के अर्थ के अन्वयन वे मत्कार के अधीन "लाभ का पद" ध्वारण किए हुए थे। उन्होंने अपनी पूर्वोक्त अर्जी के आध, संसद के एक सी से प्रथिक पदार्थीन सदस्यों की सूची (उपाधन्य "क") के रूप में इसके माय संलग्न है) संलग्न की है। उन्होंने तक दिया है कि उपर्युक्त "लाभ का पद" ध्वारण करने के कारण, उक्त सदस्य निवाचित लड़ने के लिए सक्षम नहीं थे। उन्होंने यह भी तक दिया है कि इन निरर्हित सदस्यों के साथ गठित आठवीं लोक सभा "इस प्रकार अवैध रूप में गठित लोक सभा है", और इस सदन को विवरित किए जाने का आवेदन दिया जाए तथा संविधान की पवित्रता बनाए रखने के लिए आठवीं लोक सभा के ऐसे सदस्यों को निरर्हित होने का आवेदन दिया जाए।

2. श्री जिम्बल की अर्जी से यह स्पष्ट है कि उनका यह तक कि वर्तमान लोक सभा के उपरोक्त पदार्थीन सदस्य जिस पद पर चुने गए हैं, जैसा कि अधिकारित है अपना निवाचित लड़ने जाने के समय निरर्हित सदस्य होने के कारण निवाचित लड़ने के लिए सक्षम नहीं थे। इस प्रकार, यद्यपि इस तक के कारण यह उपाधारणा कर्त्ता भाए कि उक्त सदस्य निरर्हित ग्रस्त थे तो उनकी ऐसी निरर्हित निवाचित-पूर्व की निरर्हित होगी, अर्थात् वर्तमान लोक सभा के निवाचित के समय और उसके पूर्व से कि ऐसी निरर्हित से सूची प्रस्तुत किया जा सकता है और निवाचित-पूर्व निरर्हित के ऐसे मामले की राष्ट्रपति और निवाचित आयोग की जांच-पड़नाल करने संबंधी अधिकारिता का प्रश्न संविधान के अनुच्छेद 103(2) के अधीन उठता ही नहीं। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के निवाचित आयोग बनाम ताका बैंक राय (1953 ए एसो आर 1144), पृष्ठावन नायक बनाम निवाचित आयोग (ए आई आर 1965 एस सी 1892), निवाचित आयोग बनाम एन.जी. रंगा (ए आई आर 1978 एस सी 1609) आदि के विविच्छय देखिए। ग्रन्त अर्जीदार संविधान के अनुच्छेद 103 (1) के अनुसार उक्त प्रत्यक्ष राष्ट्रपति के समक्ष नहीं उठा सकता।

3. राष्ट्रपति जो का उक्त प्रभाव की अपनी राय सहित वर्तमान निर्देश को लौटाने के साथ-साथ मैं यह बहना आहता हूँ कि क्या संविधान के अनुच्छेद 102(1)(क) के प्रथित्यर्थत कोई संसद् सदस्य "लाभ का पद" ध्वारण करता है, प्रत्यक्त उच्चतम न्यायालय द्वारा भगवतो प्रसाद और वाला बनाम राजोंवाले गांधी (ए आई आर 1926 एस मो 5125) के मामले में निराकार रूप से अपने निर्णय से प्रबन्धारित किया गया है। उच्चतम न्यायालय ने उस मामले में निम्नलिखित अधिनिर्धारित किया है:—

"यह निम्नलिखित है कि अनुच्छेद 102(1)(क) मे यह उपबन्ध है कि यदि कोई व्यक्ति भारत सरकार के या किसी राज्य की सरकार के अधीन ऐसे पद को छोड़कर जिसके ध्वारण करने वाले को निर्हर्ति न होना संसद् में विधि द्वारा घोषित किया है कोई लाभ का पद ध्वारण करता है, तो उस पद को ध्वारण करने वाला व्यक्ति संसद् के किसी सदन का सदस्य नहीं जाने के लिए और होने के लिए निरर्हित होता। विचाराधीन प्रश्न यह है कि क्या संसद् के किसी सदन को सदस्यता ऐसे लाभ का पद है। अपेक्षार्थी द्वारा दिया गया तक मदि मही है तो संसद के सभी सदस्य, सदस्य के रूप में वेतन और भत्ते प्राप्त करने के हक्कावाले होने के कारण, संसद् के सदस्य होने ही नहीं। संसद् के प्रत्येक सदन के सदस्य ऐसे वेतन और भत्ते, जिन्हे संसद् समय-समय पर अवधारित करे भी जब तक इस संबंध में इस प्रकार उपबन्ध नहीं

किया जाता है तब तक ऐसे भत्ते, ऐसी दरों से और ऐसी भत्तों पर, जो भारत ओमनियन की संविधान सभा के सदस्यों को इस संविधान के प्रारम्भ से ठोक पूर्व लागू थी, प्राप्त करने के हक्कावाले हों। संविधान के अनुच्छेद 102(1) के उपर्युक्त (क) और अनुच्छेद 103 का अर्थात्यन्यन सुनांग रूप से किया जाना आवश्यक है। जब इस अनुच्छेदों का अर्थात्यन्यन इस प्रकार किया गया है तब यह प्रभिनिर्धारित नहीं किया जा सकता कि संसद के किसी सदस्य को संवेदन के रूप में इसके कारण समय का कोई सदस्य, संसद् के किसी सदन का सदस्य नहीं जाने या संसद के किसी सदन का सदस्य बनने रहने के लिए निरर्हित हो जाएगा। किसी भी दशा में संसद का सदस्यता सरकार के अधीन पद ध्वारण करना नहीं है। अब यह तथ्य कि उम तारीख को जिसको निरर्हित हुआ थे, लोक सभा विषट नहीं की गई थी, प्रतिवादी के मामले में लोक सभा के आगामी साधारण निवाचित के लिए उसके अध्यक्षी होने के लिए निरर्हित करने वाला नहीं माना जाएगा।"

उक्त संवेदनानिक और विधिक स्थिति का अर्जीदार की जानकारी में ला दिया गया था और अचल तरह से उस स्पष्ट कर दिया गया था या जब वह मृत्यु में अपनो इस अर्जी के संबंध में व्यक्तिगत रूप में मिला था।

६० बैंकट सूर्वे निरियास्तों, भारत के मुख्य निवाचित आपूर्ति

नई रिलीफ, ]  
तारीख 23 दिसंबर, 1988

[फा. म. 7(5)/89-विधायी-II]

एम के रामस्वामी, संयुक्त भविष्य।

उपाधन्य "क"

उन कुछ संसद सदस्यों की सूची जो मात्री लोक सभा के सदस्य में अपनो इस अर्जी के संबंध में व्यक्तिगत रूप में निवाचित आयोग बनाम ताका बैंक राय (1953 ए एसो आर 1144), पृष्ठावन नायक बनाम निवाचित आयोग (ए आई आर 1965 एस सी 1892), निवाचित आयोग बनाम एन.जी. रंगा (ए आई आर 1978 एस सी 1609) आदि के विविच्छय देखिए।

- |                                    |                                    |
|------------------------------------|------------------------------------|
| (1) श्री वी किशोरचन्द्र एम, वेव    | आन्ध्र प्रदेश अन्य दल कांग्रेस एम, |
| (2) प्रोफेसर एन.जी. रंगा           | आन्ध्र प्रदेश कांग्रेस आई,         |
| (3) श्री भागवत मां आगाम            | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (4) श्री सुमनोहर बेगुन             | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (5) श्री डी.एल. बेठा               | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (6) श्री दी.शार भगत                | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (7) श्री सेठ हेमंत्राम             | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (8) कुमारी कमला कुमारी             | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (9) श्री कुंवर गम                  | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (10) श्रीमती माधुरी मिह            | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (11) श्री गमस्वरूप गम              | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (12) श्री भोला गाउत                | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (13) श्रीमती कुण्डा माही           | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (14) श्री शिव प्रसाद माह           | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (15) श्रीमती किशोरी मिहा           | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (16) श्री सत्येन्द्र नारायण मिन्हा | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (17) श्री तपेश्वर मिह              | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (18) श्री तारिक अनवर               | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (19) प्रोफेसर के. तिवारी           | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (20) श्री दी.पी. यादव              | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (21) श्री विजय कुमार यादव          | बिहार कांग्रेस आई,                 |
| (22) श्री ईश्वर भाई के, चाषडा      | गुजरात कांग्रेस आई,                |
| (23) श्री अर्जीत सिंह दाभी         | कांग्रेस आई,                       |

( 24 ) श्री सोम जी भाई चाहोर	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 82 ) श्री नारायण जोवे	पश्चिमी बंगाल	अन्य दल, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी
( 25 ) श्री दिविजय मिश्र	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 83 ) श्री हमद्रोहीत युवता	"	"
( 26 ) श्री बी. के. गदवी	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 84 ) श्री गनन कुमार मड्डल	"	अन्य दल, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी
( 27 ) श्री चिनुभाई गामिन	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 85 ) श्री सल्लोगाल मिथ	"	भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)
( 28 ) श्री जी. बी. गोहिल	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 86 ) श्रीगंगी गीता मुख्यर्जी	"	अन्य दल, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी
( 29 ) श्री दीनन निश्च जी डेंजा	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 87 ) श्री अश्वीत कुमार माह	"	भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)
( 30 ) श्री जगदीप मिश्र	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 88 ) श्री ए. के. सेन	"	आग्रेस आई.
( 31 ) श्री अहमद एम. पटेल	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 89 ) श्री अमर गय प्रधान	"	अन्य दल, फारवर्ड लालक
( 32 ) श्री सी. डी. पटेल	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 90 ) श्री आनन्द गोपाल मुख्योपाध्याय	"	प्रांग्रेस आई.
( 33 ) श्री यू. एस. पटेल	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 91 ) श्री पियूष तिट्के	"	अन्य दल, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी
( 34 ) श्री अमर मिश्र राधप्रा	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 92 ) चौधरी चरण मिश्र	उत्तर प्रदेश	संकेत दल
( 35 ) श्री नवोन चन्द्र गवानी	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 93 ) श्री एम. असान्नालम	तमिलनाडु	कांग्रेस आई.
( 36 ) श्री नटवर मिश्र सोलंकी	गुजरात	कांग्रेस आई.	( 94 ) श्री एम.एम. रामास्वामी	"	"
( 37 ) श्री चिरंजी लाल शर्मा	हरियाणा	कांग्रेस आई.	( 95 ) श्री आर. प्रभु	"	"
( 38 ) प्रोफेसर नायारण चन्द्र पराशर	हिमाचल प्रदेश	कांग्रेस आई.	( 96 ) श्री के. रामामृति	"	"
( 43 ) श्री जी. देवराया नायर	कर्नाटक	कांग्रेस आई.	( 47 ) श्री एन. सुन्दराजन	"	अन्य दल, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी
( 44 ) श्री डी. के. नायकर	कर्नाटक	कांग्रेस आई.	( 93 ) श्री ए. जी. सुमुरमन	"	इंडिया प्रशान्तिक मुनिकाम
( 45 ) श्री एम. बी. मिदलस	कर्नाटक	कांग्रेस आई.	( 99 ) श्री अजय विश्वाम	लिपुग	भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)
( 46 ) प्रांसेमर पी जे. कुरियन	केरल	कांग्रेस आई.	( 100 ) श्री बाजूबन रियन	"	"
( 47 ) श्री इंद्राहीम सुनेमास मेन	केरल	अन्य दल, मुस्लिम लीग			श्रीराम कार्ड अन्य मदस्य
( 48 ) श्री के. पी. उमीदवाल	केरल	अन्य दल, कांग्रेस एम.			
( 49 ) श्री बी. एम. विजयराधवन	केरल	कांग्रेस आई.			
( 50 ) श्री परमेश्वर भागवत	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 51 ) श्री रिलीप मिह भृत्या	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 52 ) श्री अन्नू लाल अन्नाकर	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 53 ) श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 54 ) श्री दलबीब चिह्न	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 55 ) श्री कमल नाथ	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 56 ) श्री जी.एम. मिश्र	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 57 ) श्री अग्रवाल नितम	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 58 ) श्री रामेश्वर निलगा	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 59 ) श्री पी. सी. सेठ	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 60 ) श्री न.व. किंगार शर्मा	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 61 ) श्री प्रताप भानू शर्मा	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 62 ) श्री विंयाचरण शुक्ल	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 63 ) श्री जियेन्द्र बहादुर मिश्र	मध्य प्रदेश	कांग्रेस आई.			
( 64 ) श्री आर.एम. भोई	महाराष्ट्र	कांग्रेस आई.			
( 65 ) अंतर्रां ऊषा चौधरी	महाराष्ट्र	कांग्रेस आई.			
( 66 ) प्रोफेसर मधु दण्डकरे	महाराष्ट्र	अन्य दल, जनता			
( 67 ) श्री बी. एम. गाडगिल	महाराष्ट्र	कांग्रेस आई.			
( 68 ) श्री उदय मिह गय गायकवाड़	महाराष्ट्र	कांग्रेस आई.			
( 69 ) श्री गंगाधर एम. कुवं	महाराष्ट्र	कांग्रेस आई.			
( 70 ) श्री वार्ष.एम. महाजन	महाराष्ट्र	कांग्रेस आई.			
( 71 ) श्री शिव राज पाटिल	"	"			
( 72 ) श्री उत्तम यात्रा पाटिल	"	"			
( 73 ) श्री विजय एन. पाटिल	"	"			
( 74 ) श्री वाला माहेश पवार	"	"			
( 75 ) श्री उत्तम राठोड़	"	"			
( 76 ) श्री आर.एन. यादव	"	"			
( 77 ) श्री अनाति चरण शर्म	उडीमा	"			
( 78 ) श्री गिरधर गोमांगी	"	"			
( 79 ) श्री नित्यानन्द मिथ	"	"			
( 80 ) श्री अर्जुनी मोहन्ती	"	"			
( 81 ) श्री सोमनाथ वैदर्जी	पश्चिमी बंगाल	भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)			

## MINISTRY OF LAW &amp; JUSTICE

(Legislative Department)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 16th March, 1989

S. O. 195(E) :—The following Order made by the President is published for general information :—

## ORDER

Whereas a petition has been filed by Shri Rajinder Kumar Jindal, resident of 3363, Kesuruwanian, Paharganj, New Delhi alleging that more than 100 sitting members of the present (eight) Lok Sabha have become subject to disqualification under sub-clause (a) of clause (1) of article 102 of the constitution;

And whereas the opinion of the Election Commission was sought under clause (2) of article 103 of the Constitution with reference to the said petition

on the question whether the said sitting members have become subject to such disqualification;

And whereas the Election Commission has given its opinion (vide Annexure) that the said sitting members have not become subject to any such disqualification;

Now, therefore, I, R. Venkataraman, President of India, in exercise of the powers conferred on me under clause (1) of article 103 of the Constitution, do hereby decide, in accordance with the opinion of the Election Commission, that the said sitting members of the Lok Sabha have not become subject to any disqualification in terms of sub-clause (a) of clause (1) of article 102 of the Constitution either for being chosen as or for being members of Lok Sabha.

7th March, 1989.

R. VENKATARAMAN,  
President of India

**ELECTION COMMISSION OF INDIA  
BEFORE THE ELECTION COMMISSION OF  
INDIA**

Reference Case No. 3 of 1987

[Reference from the President of India under Article 103(2) of the Constitution]

In re : Alleged disqualification of about 100 sitting members of the Lok Sabha.

**OPINION**

1.1 This is a reference from the President of India under Article 103(2) of the Constitution seeking the opinion of the Election Commission on the question whether certain sitting members of the present (8th) Lok Sabha have become subject to disqualification under Article 102(1) (a) of the Constitution.

1.2 The above question arose on a petition dated 6-5-1987 of Shri Rajinder Kumar Jindal, resident of 3363, Kesuruwanan, Paharganj, New Delhi, filed before the President in terms of Article 103(1) of the Constitution of India. The petitioner alleged that more than 100 sitting members of the present (8th) Lok Sabha were disqualified to become members of the Lok Sabha as they were sitting members of the previous (7th) Lok Sabha at the time of their election to the present Lok Sabha in December, 1981 and were thus holding 'office of profit' under the Government within the meaning of article 102(1) (a) of the Constitution. He annexed a list of 100 such sitting members of Parliament to his aforesaid petition (annexed hereto as Annexure 'V'). He contended that by reason of holding the above 'office of profit' the said members "were not competent to contest the election." He further contended that the 8th Lok Sabha constituted with these disqualified members "is thus illegally constituted and the House be ordered to be dissolved and such members of the 8th Lok Sabha be ordered to be disqualified to maintain the purity of Constitution."

2. It is apparent from the petition of Shri Jindal that what he contends is that the above mentioned sitting members of the present Lok Sabha were not competent to contest the elections at which they have been elected as they were allegedly suffering from a disqualification at the time of their election. Thus, even if it be assumed for the sake of argument that the said members suffered from disqualification, such a disqualification would be a pre-election disqualification i.e., a disqualification from which they were suffering prior to, and at the time of, their election to the present Lok Sabha. It is well settled law that the question of such pre-election disqualification can be raised only by means of an election petition presented to the High Court in accordance with the provisions of the Representation of the People Act, 1951, and the jurisdiction of the President and the Election Commission to inquire into such case of pre-election disqualification does not arise under article 103(2) of the Constitution. [See in this connection the decisions of Supreme Court in *Election Commission Vs. Saka Venkata Rao* (1953 SCR 1141), *Brundaban Nayak Vs. Election Commission* (AIR 1965 SC 1892), *Election Commission Vs. N. G. Ranga* (AIR 1978 SC 1609), etc.] Therefore, the petitioner cannot raise the above question before the President in terms of article 103(1) of the Constitution.

3. While returning the present reference to the President with my opinion to the above effect, I would like to add that the question whether a member of Parliament holds 'office of profit' within the meaning of article 102(1) (a) of the Constitution is conclusively determined by the Supreme Court in their decision in the case of *Bhagwati Prasad Dixit Ghorewala Vs. Rajiv Gandhi* (AIR 1986 SC 5135). The Supreme Court in that case held as under :—

"It is no doubt true that article 102(1) (a) says that if a person holds any office of profit under the Government of India or the Government of any State other than an office declared by Parliament by law not to disqualify its holder, he is disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament. The question for consideration is whether the membership of either House of Parliament is such an office of profit. If what is contended by the appellant is correct there can be no member of Parliament at all because all members of Parliament are entitled to receive salaries and allowances as members. Article 106 of the Constitution expressly provides that members of either House of Parliament shall be entitled to receive such salaries and allowances as may from time to time be determined by Parliament by law and, until provision in that respect is so made, allowances at such rates and upon such conditions as were immediately before the commencement of the Constitution applicable in the case of members of the Constituent Assembly of the Dominion of India. Clause (a) of article 102(1) and Article 106 of the Constitution must be construed in a harmonious way

When those articles are so construed, it cannot be held that by receiving the salary and allowances payable to a member of Parliament, a member of Parliament would be disqualified for being either chosen as a member of either House of Parliament or for continuing as a member of either House of Parliament. In any event the membership of Parliament is not an office under the Government. So the fact that the Lok Sabha had not been dissolved on the date on which the election was held would not amount to a disqualification in the case of the respondent who was a member of the Lok Sabha for being a candidate at the next general election."

The above Constitutional and legal position was brought to the notice of the petitioner and fully explained to him when he personally saw me in connection with his present petition.

R. V. S. PERI SASTRI,

Chief Election Commissioner of India

New Delhi, the  
28th December, 1988.

[F. No. 7 (5) /89-Leg.II]

M. K. RAMASWAMY, Jt. Secy.

#### ANNEXURE—'A'

List of some of the Members of Parliament who were Members of the 7th Lok Sabha and while drawing Salary contested the 8th Lok Sabha Elections and were elected to the 8th Lok Sabha.

- (1) Deo Shri V. Kishorechandra S (Andhra Pradesh) OP Congress
- (2) Ranga Professor N.G. A.P. Congress I
- (3) Azand Shri Bhagwat Jha, Bihar Congress I
- (4) Begum Shri Sumbriti, Bihar, Congress I
- (5) Ratha Shri D.I., Bihar, Congress I
- (6) Bhagat Shri B.R., Bihar, Congress I
- (7) Hembrom, Shri Sth, Bihar, Congress I
- (8) Kamala Kunari Kum, Bihar, Congress I
- (9) Kunwar Ram Shri, Bihar, Congress I
- (10) Madhuri Singh Shri, Bihar Congress I
- (11) Ram Shri Ram Swarup, Bihar, Congress I
- (12) Raut Shri Bhola, Bihar, Congress I
- (13) Sahi Shri n. Krishna, Bihar, Congress I
- (14) Sahu Shri Shiv Prasad, Bihar, Congress I
- (15) Sinha Shri Kishori, Bihar, Congress I
- (16) Sinha Shri Satyendra Narayan, Bihar Congress I
- (17) Tapeshwar Singh Shri, Bihar, Congress I
- (18) Tariq Anwar Shri, Bihar Congress I
- (19) Tewari Professor K.K., Bihar, Congress I
- (20) Yadav Shri D.P., Bihar, Congress I
- (21) Yadav Shri Vijay Kumar, Bihar, Congress I
- (22) Chavada Shri Isherr Bhai K., Gujarat Congress I
- (23) Dabhi Shri Ajit Singh, Gujarat, Congress I
- (24) Damor Shri Som Jibhai, Gujarat, Congress I
- (25) Digvijay Singh Shri, Gujarat Congress I
- (26) Madhvi Shri B.K., Gujarat, Congress I

- (27) Gavit Shri Chitubhai, Gujarat, Congress I
- (28) Gohil Shri G.B., Gujarat, Congress I
- (29) Jadeja Shri Daulat Singh ji, Gujarat, Congress I
- (30) Jaideep Singh Shri, Gujarat, Congress I
- (31) Patel Shri Ahmed M, Gujarat, Congress I
- (32) Patel Shri C.D., Gujarat, Congress I
- (33) Patel Shri U.H., Gujarat, Congress I
- (34) Rathawa, Shri Amar Singh, Gujarat Congress I
- (35) Ravani, Shri Navin Chandra, Gujarat Congress I
- (36) Solanki, Shri Natavarsinh, Gujarat, Congress I
- (37) Sharma Shri Charanji Lal, Gujarat, Congress I
- (38) Naik Shri G. Devaraya, Karnataka, Congress I
- (39) Naik Shri D.K., Karnataka, Congress I
- (40) Sindal Shri S.B., Karnataka, Congress I
- (41) Kurien Professor P.J., Kerala, Congress I
- (42) Sait Shri Ebrahim Sulaiman, Kerala, O.P. M.L.
- (43) Uantkrishan K.P., Kerala, O.P. Congress S
- (44) Vijayuraghavan Shri V.S., Kerala, Congress I
- (45) Bhardwaj, Shri Parasram, M.P. Congress I
- (46) Bhuria, Shri Dileep Singh, M.P. Congress I
- (47) Chandrakar, Shri Chandu Lal, M.P. Congress I
- (48) Chaturvedi Shm. Vidyawati, M.P. Congress I
- (49) Dalbir Singh Shri, M.P. Congress I
- (50) Kamal Nath Shri, M.P. Congress I
- (51) Mishra Shri G.S., M.P. Congress I
- (52) Netam Shri Arvind, M.P. Congress I
- (53) Nikhra Shri Rameshwar, M.P., Congress I
- (54) Sethi Shri P.C., M.P. Congress I
- (55) Sharma Shri Nand Kishore, M.P. Congress I
- (56) Sharma Shri Pratap Bhanu, M.P. Congress I
- (57) Shukla Shri Vidyacharan, M.P. Congress I
- (58) Singh Shri Shivendra Bahadur, M.P. Congress I
- (59) Bhoye, Shri R.M., Maharashtra, Congress I
- (60) Choudhari Shm. Usha, Maharashtra, Congress I
- (61) Dandavat: Professor Madhu, Maharashtra, O.P. Janta.
- (62) Gadgil Shri V.N., Maharashtra, Congress I
- (63) Gaikwad Shri Uday Singrao, Maharashtra, Congress I.
- (64) Kuchan Shri Gangadhar S, Maharashtra, Congress I
- (65) Mahajan Shri Y.S. Maharashtra, Congress I
- (66) Patil Shri Shiv Raj, Maharashtra, Congress I
- (67) Patil Shri Uttamrao, Maharashtra, Congress I
- (68) Patil Shri Vijay N., Maharashtra, Congress I
- (69) Pawar Shri Balasaheb, Maharashtra, Congress I
- (70) Rathod Shri Uttam, Maharashtra, Congress I
- (71) Yadav Shri R.N., Maharashtra, Congress I
- (72) Da, Shri Anadi Chhati, Orissa, Congress I
- (73) Gornago Shri Girihar, Orissa, Congress I
- (74) Mohanty Shri Nityananda, Orissa, Congress I
- (75) Mohanty Shri Braja Puri Mohan, Orissa, Congress I
- (76) Chatterjee Shri Som Nath, West Bengal, CPIM

- (82) Choube Shri Narayan, West Bengal, O.P., C.P.I.
- (83) Gupta Shri Inderjit, West Bengal O.P. C.P.I.
- (84) Mandal Shri Sanat Kumar, West Bengal, O.P., R.S.P.
- (85) Misra Shri Satyagopal, West Bengal, C.P.I.M.
- (86) Mukherjee Shm. Geeta, West Bengal, O.P. C.P.I.
- (87) Saha Shri Ajit Kumar, West Bengal, C.P.I.M.
- (88) Sen Shri A.K., West Bengal, Congress I
- (89) Royhardhan Shri Amar, West Bengal, O.P. F.B.
- (90) Mukhopadhy Shri Ananda Gopal, West Bengal, Congress I
- (91) Toroky Shri Piyus, West Bengal, O.P. RSP
- (92) Chaudhry Charan Singh, U.P., Lokdal
- (93) Arunachalam Shri M, Tamil Nadu, Congress I
- (94) Padayachi Shri S.S. Ramaswami, Tamil Nadu, Congress I
- (95) Prabhu Shri R, Tamil Nadu Congress I
- (96) Ramamurthy Shri K, Tamil Nadu Congress I
- (97) Sundrarajan Shri Shri N, Tamil Nadu, AIAMK
- (98) Subburaman Shri A.G, Tamil Nadu, Congress I
- (99) Biswas Shri Ajoy, Tripura, C.P.I.M. Congress I
- (100) Riyam Shri Rajuban, Tripura, C.P.I.M. And Many others